ब्रेन इंटरनेशनल स्कूल

विषय – हिंदी कक्षा - आठ अभ्यास पत्र अक्तूबर (2024-2025)

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

परोपकार से बढ़कर और कोई पुण्य नहीं है। वेदों और उपनिषदों में भी यही कहा गया है। भारतीय संस्कृति परोपकार के लिए जानी जाती है। महर्षि दधीचि ने वृत्रासुर से रक्षा करने के लिए देवताओं को अपनी अस्थियाँ दान में दे दी थीं। राजा शिवि ने कबूतर की रक्षा के लिए बाज को अपना माँस काटकर खिलाया। देश को स्वतंत्र करवाने के लिए हजारों भारतीयों ने अपने प्राण त्याग दिए थे। दूसरों के कष्टों को अपनाकर देखिए। कष्ट में किसी का सहारा बनकर देखिए। दु:खी व्यक्ति के दु:ख दूर हो जाने पर, उसके मुख पर आई मुस्कान के कारण यदि आप हैं तो आप से महान और कोई नहीं है।

क) राजा शिवि ने किसकी रक्षा के लिए अपना माँस बाज को काटकर दिया ?
- i) देवताओं की
- ii) महर्षि दधीचि की
- iii) कबूतर की
- iv) वृत्रासुर की

ख) परोपकार के बारे में वेदों में क्या कहा गया है ?
- i) यह पाप है
- ii) यह पुण्य है
- iii) यह धन कमाने का साधन है
- iv) यह जीवन का उद्देश्य नहीं है

ग) महर्षि दधीचि ने किसके लिए अपनी अस्थियों का दान दिया ?
- i) राजा शिवि के लिए
- ii) देवताओं के लिए
- iii) अपनी ही भलाई के लिए
- iv) वृत्रासुर को मारने के लिए

(घ) वेदों और उपनिषदों में क्या कहा गया है?

(ङ) महान कौन है?

प्रश्न 2. रेखांकित पदों का परिचय दीजिए ।

क) मैं <u>कल</u> ही घर चला जाऊँगा |

ख) जहाँ चाह वहाँ राह
ग) रानी बहुत उदास हो गई |
घ) मानवता सबसे बड़ा धर्म होता है |
ङ) हाथी धीरे –धीरे उस ओर बढने लगा |

प्रश्न 3.निम्न प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में दीजिए।

क) सुदामा और कृष्ण की मित्रता का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए **|**
ख) सुदामा अपनी नगरी वापस लौटते हुए क्या सोच रहे थे **?**
ग) सोचो ! अगर पहिए का आविष्कार न होता तो क्या होता **?**
घ) पहले की और अब की औरत की स्थिति में क्या परिवर्तन आया है, सोचकर लिखिए**|**

प्रश्न 4. 'हंसी सब रोगों की दवा ' विषय पर लगभग 100 -120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए ।